Grade 'B' Accredited by NAAC

ध्येय पथ

सम्पादक–
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
श्रीमती विभा सिंह
श्री हरिकेश यादव

www.mpm.ac.in

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,जंगल धूसड़, गोरखपुर

2025-26

प्राचार्य–शिक्षक बैठक

04 अक्टूबर को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्राचार्य–शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रवेश, परीक्षा, नियंता मण्डल, पठन–पाठन, पुस्तकालय, तकनीकी विकास एवं वेबसाइट, विद्युत एवं स्वछता तथा प्रार्थना सभा विषय पर संबन्धित शिक्षकों द्वारा विचार प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की। बैठक में सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद–विवाद प्रतियोगिता

06 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "Digital Influencers Vs. Literary Authors: Who Shapes Society More Today?" विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को चार ग्रुप में बांटा गया, जिसमें वर्डस्वर्थ ग्रुप के छात्र अश्विनी कुमार, बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर, छात्रा दिव्या दुबे, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर तथा छात्र शैलेश आनंद, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर विजयी रहे। प्रतियोगिता का संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सिंह ने किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दुर्गा भाभी जयंती व वाल्मीकि जयंती

07 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दुर्गा भाभी व वाल्मीकि जयंती के अवसर पर एक

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए दुर्गा भाभी एवं वाल्मीकि जी को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

वायु सेना दिवस एवं मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस

08 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'वायु सेना दिवस एवं मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 वेंकट रमन पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में वायु सेना की शौर्य गाथा का वर्णन किया साथ ही मुंशी प्रेमचंद के हिंदी साहित्य में अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हे हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

09 अक्टूबर को बी0एड्0 विभाग के तत्वावधान में 'क्रियात्मक अनुसंधान' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ पी0जी0 कालेज, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ0 गोपाल सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजक बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

10 अक्टूबर को मनोविज्ञान विभाग के द्वारा 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री गरिमा यादव को प्रथम स्थान, बी0एस–सी0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपा गोंड को द्वितीय स्थान तथा बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री अश्वनी वर्मा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन सत्र)

11 व 12 अक्टूबर को हिन्दी विभाग एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाई संदर्भः चुनौतियां एवं समाधान' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में रांची विश्वविद्यालय, रांची के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 जंगबहादुर पाण्डेय, विशिष्ठ अतिथि के रूप में केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, दिल्ली के भाषा विज्ञान के आचार्य प्रो0 धनजी प्रसाद का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 रामदेव शुक्ल ने की तथा महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष एवं आयोजन सचिव राष्ट्रीय संगोष्ठी, डॉ0 आरती सिंह ने कार्यक्रम प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने की।

प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो0 रामदरश राय ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में डी0सी0एस0 खंडेलवाल पी0जी0 कालेज, मऊ के प्राचार्य डॉ0 सर्वेश पाण्डेय उपस्थित रहे। इस सत्र में श्री निमिष सिंह, श्री राहुल यादव, श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय व डॉ0 राणा तिवारी सहित कुल 04 शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ वेंकट रमन पाण्डेय तथा प्रतिवेदन डॉ0 शालू श्रीवास्तव ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 राजवन्त राव ने की। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो0 दीपक त्यागी उपस्थित रहे। इस सत्र में डॉ0 यामिनी राय, डॉ0 निमिषा सिंह व श्री विजयानन्द मिश्र सहित कुल 03 शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ0 सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया तथा प्रतिवेदन श्रीमती शिवानी सिंह ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र

12 अक्टूबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय कादीपुर, सुल्तानपुर के संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 सुशील कुमार पाण्डेय 'साहित्येन्दु' ने किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो0 प्रत्युष दूबे उपस्थित रहे। इस सत्र में डॉ0 अभिषेक कुमार मिश्र व डॉ0 अंगद कुमार सिंह सहित कुल दो शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ0 अर्चना गुप्ता तथा तथा प्रतिवेदन डॉ0 हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

चतुर्थ तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सतीश चन्द्र पी0जी0 कालेज, बलिया के पूर्व प्राचार्य डॉ0 आद्या प्रसाद द्विवेदी ने किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो0 अरविन्द त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस सत्र में डॉ0 धनंजय मणि त्रिपाठी ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन डॉ0 अवन्तिका पाठक ने किया तथा प्रतिवेदन सुश्री तान्या श्रीवास्तव ने किया।

समारोप समारोह

12 अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समारोप समारोह की अध्यक्षता हिन्दी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो0 सदानन्द

प्रसाद गुप्त ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो0 रामदरश राय तथा विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के डॉ0 अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के मुख्य पुजारी योगी कमलनाथ जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह ने किया तथा संगोष्ठी प्रतिवेदन एवं आभार डॉ0 आरती सिंह ने किया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

12 अक्टूबर को छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य 'डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने छात्रसंघ कार्यकारिणी के अधिकार, कर्त्तव्य तथा महाविद्यालय में सहभागिता पर प्रकाश डाला। छात्रसंघ प्रभारी श्री अनूप पाण्डेय ने छात्रसंघ के उद्देश्यों को बताते हुए विभिन्न समितियों के गठन की प्रक्रिया को संदर्भित किया।

लाला हरदयाल जयंती

14 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'लाला हरदयाल जयंती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी0 एस–सी0 तृतीय सेमेस्टर के छात्र श्री विक्रांत सिंह ने

अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से लाला हरदयाल जी को हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

छात्रा कल्याण समिति बैठक

14 अक्टूबर को ''गुड टच और बैड टच'' विषय पर छात्रा कल्याण समिति की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्ष श्रीमती शिवानी सिंह ने छात्राओं को आत्म सुरक्षा के प्रति जागरूकता, मानसिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण से संबधित आवश्यक सुक्षाव दिये तथा विद्यार्थियों ने भी अपनी जिज्ञासएँ साझा की बैठक में महाविद्यालय की शिक्षिकाऐ एवं छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती शिवानी सिंह ने किया।

डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती

15 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में रोवर्स रेंजर्स के तत्वावधान में **डॉ0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** जयंती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी0एड्0 विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की तरफ से हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

जागरूकता रैली कार्यक्रम

16 अक्टूबर को बी0एड्0 विभाग द्वारा अभिग्रहित ग्राम मंझरिया में उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में दीपावली पर्व के अवसर पर

बी0एड्0 विभाग के विद्यार्थियों द्वारा 'स्वदेशी–उत्पाद स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर भारत' विषय पर जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन श्री जितेन्द्र प्रजापति ने किया।

लोकगीत कार्यक्रम तथा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

17 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में दीपावली पर्व गोवर्धन पूजा, भैया दूज व छठ पूजा के उपलक्ष्य में लोकगीत कार्यक्रम तथा विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा छठ पर्व का लोकगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

व्यापार मेला

17 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में दिपावली के पावन पर्व के अन्तर्गत 'व्यापार मेला' का आयोजन किया गया। व्यापार मेला का उद्घाटन बी0एड्0 विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। मेला में विभाग का अभिग्रहित ग्राम तिनकोनिया नं0 2 में 'स्वावलम्बी ग्राम योजना' के अन्तर्गत ग्रामीणों द्वारा स्वनिर्मित मिट्टी का दीया, खिलौना व मूर्ति को शिल्प कला स्टाल पर प्रदर्शित किया गया। इसी क्रम में टेराकाटा, धूप–अगरबत्ती, चाय, ढोकला, भेलपुरी, पानीपूरी, इलेक्ट्रिक लाइट, सहित कई स्टाल विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया।

प्राचार्य–शिक्षक बैठक

18 अक्टूबर को आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्राचार्य–शिक्षक बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने की। बैठक में शिक्षक आचरण व्यवहार, प्रवेश, परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन, पठन–पाठन, तकनीकी विकास एवं वेबसाइट इत्यादि प्रभार की समीक्षा की गयी। बैठक में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता

29 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'सरदार बल्लभ भाई पटेल–अनेकता में एकता' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री दीपा गौड़ ने प्रथम स्थान, बी. एस–सी. पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री रिंकी भारती एवं बी0ए0 पंचम सेमेस्टर के छात्र श्री विनय भारती ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी0कॉम0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री निर्जला शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता एवं डॉ0 आरती सिंह ने किया।

होमी जहाँगीर भाभा जयंती

30 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'होमी जहाँगीर भाभा जयंती' के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग के

सहायक आचार्य डॉ0 शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित उनकी स्मृति को नमन किया साथ ही हार्दिक श्रद्धांजली अर्पित की।

पदयात्रा कार्यक्रम

31 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पदयात्रा कार्यक्रम इस वर्ष 'एक भारत आत्मनिर्भर भारत' थीम पर मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर को अक्टूबर को प्रार्थना सभा में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष श्री विवेक विश्वकर्मा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 11 अक्टूबर, 2025

एनईपी में भाषा के स्वरूप पर विमर्श आज से

गोरखपुर : महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ के हिंदी विभाग और हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषायी संदर्भः चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ होगा। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के प्रो. जंगबहादुर पाण्डेय होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली के प्रो. धनजी की उपस्थिति रहेगी। अध्यक्षता प्रो. रामदेव शुक्ल करेंगे। समापन सत्र में सचिव, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज प्रो. अजीत सिंह मुख्य अतिथि और हिंदी संस्थान, आगरा के डा. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि होंगे।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, रविवार, 12 अक्तूबर 2025 **09**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषायी संदर्भ' विषय पर हुआ गहन विमर्श

संस्कृति की पुनर्स्थापना का माध्यम है एनईपी

संगोष्ठी

- महाराणा प्रताप महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
- भाषा के बिना शिक्षा की कल्पना अधूरी : प्रो. रामदेव शुक्ल
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को अपनाने में आगे है एमपी कॉलेजः डॉ. प्रदीप राव

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। डीडीयू के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रामदेव शुक्ल ने कहा है कि भाषा के बिना शिक्षा की कल्पना अधूरी है। मातृभाषा के माध्यम से ज्ञान का संवहन ही भारतीय शिक्षा की आत्मा है।

यह बातें प्रो. शुक्ल शनिवार ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के हिंदी विभाग एवं हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता के दौरान कही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषायी संदर्भ : चुनौतियां एवं समाधान विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. शुक्ल ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने के उद्देश्य से बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं के उन्नयन पर जोर दे रही है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण में शनिवार को हिन्दी विभाग एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वाव्धान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो. जंग बहादुर पाण्डेय को स्मृति चिह्न भेंट करते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय, रांची के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जंगबहादुर पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक शैक्षणिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और भाषा की पुनर्स्थापना का माध्यम है। शिक्षा मातृभाषा में मिलेगी तो विद्यार्थी का व्यक्तित्व अधिक सशक्त और रचनात्मक बनेगा। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली के प्रो. धनजी ने कहा कि भाषा राष्ट्र की पहचान है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुभाषिकता की अवधारणा भारत की विविधता को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। स्वागत संबोधन में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि यह महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को अपनाने में आगे और संवेदनशील रहा है। संयोजिका डॉ. आरती सिंह ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत की।

दो तकनीकी सत्रों का हुआ आयोजन

उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डीडीयू के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरश राय ने की। विषय विशेषज्ञ डीसीएस खंडेलवाल पीजी कॉलेज, मऊ के प्राचार्य डॉ. सर्वेश पांडेय ने कहा कि किसी भी भाषा का ज्ञान गलत नहीं, पर सोच और शोध अपनी भाषा में होना जरूरी है। प्रो. रामदरश राय ने कहा कि भाषाओं का आदान-प्रदान ज्ञान का विस्तार करता है, लेकिन शिक्षा और अभिव्यक्ति का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए। तकनीकी सत्र में डॉ. राणा तिवारी, ज्ञानेंद्र पांडेय, राहुल यादव, निमिष सिंह सहित सात लोगों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किए। संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. वैंकट रमन पांडेय और प्रतिवेदन भूगोल की डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। द्वितीय तकनीकी सत्र की डीडीयू के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवंत राव ने की। इस मौके पर डीडीयू के हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. दीपक प्रसाद त्यागी रहे।

हिन्दुस्तान गोरखपुर, सोमवार, 13 अक्तूबर 2025 **07**

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

भाषा और संस्कृति से नाता टूटा तो शिक्षा औपचारिकता रह जाएगी

संगोष्ठी

- यूपी हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष ने रखे अपने विचार
- प्रो. रामदरश ने कहा कि बोलियां किसी भी भाषा की जड़ होती हैं

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनर्स्थापना का प्रयास है। शिक्षा को जब मातृभाषा से जोड़ा जाएगा, तभी विद्यार्थी अपनी जड़ों से जुड़ेंगे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होंगे।

यह बातें उन्होंने रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता के दौरान कही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषायी संदर्भः चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. गुप्त ने कहा कि शिक्षा मात्र नौकरी पाने का साधन नहीं, बल्कि आत्मबोध और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है। उन्होंने चेताया कि यदि भाषा और संस्कृति से नाता टूट गया, तो शिक्षा केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाएगी। समापन सत्र में मुख्य अतिथि डीडीयू के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरश राय ने कहा कि बोलियां किसी भी भाषा की जड़ होती हैं, इसलिए यदि बोलियां बचीं तो भाषाएं भी जीवित रह सकेंगी।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के डॉ. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भाषा ही विचारों की वाहक और संस्कारों की संवाहक है। डॉ. आरती सिंह ने संगोष्ठी का पूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मौके पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित अन्य की सहभागिता रही।

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते अतिथि व अन्य।

दूसरे दिन हुए दो सत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी के सुबह के सत्र में तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता संत तुलसीदास पी.जी कॉलेज कादीपुर, सुल्तानपुर के संस्कृत विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार पांडेय ने की। इसमें डीडीयू के हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. प्रत्यूष दुबे, प्रो. सुशील कुमार पांडेय, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने भी विचार रखे। डॉ. अभिषेक कुमार मिश्र और डॉ. अंगद कुमार सिंह सहित पांच शोधार्थियों ने शोध पत्र पढ़ा।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 12 अक्टूबर, 2025

मातृभाषा में ज्ञान भारतीय शिक्षा की आत्मा : प्रो. रामदेव

महाराणा प्रताप पीजी कालेज मे आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मे मंचासीन प्रो. रामदेव शुक्ल, प्रो. जंग बहादुर सिंह, डा. प्रदीप कुमार राव व अन्य ● एमपी कालेज

- महाराणा प्रताप पीजी कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, विद्वतजन ने रखे विचार
- पहले दिन 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषाई संदर्भ' विषय पर आयोजित हुआ व्यापक विमर्श

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदेव शुक्ल ने कहा है कि मातृभाषा के माध्यम से ज्ञान का संवहन ही भारतीय शिक्षा की आत्मा है। भाषा के बिना शिक्षा की कल्पना अधूरी है। प्रो. शुक्ल शनिवार को महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ के हिंदी विभाग और हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में अध्यक्षीय संबोधन दे रहे थे।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषायी संदर्भ : चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में प्रो. शुक्ल ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने के उद्देश्य से बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं के उन्नयन पर जोर दे रही है। संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए रांची विश्वविद्यालय, रांची के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल एक शैक्षणिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और भाषा की पुनर्स्थापना का माध्यम है। शिक्षा मातृभाषा में मिलेगी तो विद्यार्थी का व्यक्तित्व अधिक सशक्त और रचनात्मक बनेगा। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली के प्रो. धनजी ने कहा कि भाषा राष्ट्र की पहचान है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में स्वागत संबोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने किया। उन्होंने कहा कि यह कालेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को अपनाने को लेकर संवेदनशील रहा है। कालेज की स्थापना ही राष्ट्रीयता के विचारों पर केंद्रित है।

मातृभाषा से विचारों में आती है आत्मीयता : प्रो. रामदरश

उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. रामदरश राय ने की। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डीसीएस खंडेलवाल पीजी कालेज, मऊ के प्राचार्य डा. सर्वेश पांडेय ने कहा कि किसी भी भाषा का ज्ञान गलत नहीं, पर सोच और शोध अपनी भाषा में होना जरूरी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. राय ने कहा कि शिक्षा और अभिव्यक्ति का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए। मातृभाषा विचारों में आत्मीयता लाती है। इस सत्र में डा. राणा तिवारी, ज्ञानेंद्र पांडेय, राहुल यादव, निमिष सिंह सहित सात शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय, प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. राजवंत राव ने की। सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. दीपक प्रसाद त्यागी भी मौजूद रहे।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में अक्टूबर माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर